सांस्कृतिक, धार्मिक और आध्यात्मिक केंद्र वाराणसी मंदिर कॉरिडोर के बूते आर्थिक विकास की राह में उत्प्रेरक की भूमिका निभाएगा

काशी विश्वनाथ कॉरिडोर आर्थिक विकास को रफ्तार देगा

लखनऊ | **अजित खरे**

भव्य कॉरिडोर में प्राचीन काशी विश्वनाथ मंदिर का नया स्वरूप और सामने कल- कल करती मां गंगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को मूर्त रूप देकर करोड़ों भक्तों की आस्था का सम्मान तो किया ही इसके साथ ही पूर्वांचल के आर्थिक विकास को भी गति प्रदान कर दी है। इतना ही नहीं राजनीति की बिसात पर एक बड़ा और मजबूत दांव भी चल दिया है। मोदी ने भारतमाता मंदिर में श्रद्धासुमन अर्पित कर आस्था को राष्ट्र प्रेम से जोड़ने का भी संदेश दिया।

इस तरह बढ़ेगी आर्थिक तरक्की

देश के अन्य हिस्सों के अतिरिक्त एक बड़ी संख्या उन लाखों दक्षिण भारतीयों की है जो प्रतिवर्ष यहां बाबा विश्वनाथ के दर्शन करने आते हैं। काशी आने वालों में विदेशियों की तादाद भी कम नहीं है। सांस्कृतिक, साहित्यिक, धार्मिक व आध्यात्मिक केंद्र वाराणसी अब काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर के जरिए आर्थिक विकास की राह सुगम करेगा। इसके माध्यम से एक बार में 70 हजार से ज्यादा श्रद्धालू गंगा स्नान कर मंदिर में दर्शन कर सकेंगे। गंगा में क्रूज चलने लगे हैं। वाराणसी से हल्दिया तक जलमार्ग के जरिए माल परिवहन भी शुरू हो गया है। मोदी के संसदीय क्षेत्र में रोप-वे परियोजना भी तैयार की जा रही है। इसके जरिए दस किलोमीटर का रोप-वे घनी आबादी के बीच गुजरेगा। यह सब आर्थिक तरक्की का सबब बनेंगे। पर्यटन, लॉजिस्टिक व कारोबार भी बढ़ेगा। यहां स्वरोजगार की तमाम योजनाएं भी चलाई जा रही है। जब दिल्ली- वाराणसी के बीच 865 किमी के हाई स्पीड रेल प्रोजेक्ट भविष्य में मूर्त रूप लेगा तब वाराणसी समेत पूरे पूर्वांचल में आर्थिक विकास को और पंख लगेंगे। पर्यटन विभाग के संयुक्त निदेशक अविनाश मिश्र के अनुसार, वाराणसी में हर साल 55 लाख देशी व साढ़े चार लाख विदेशी पर्यटक आते हैं। कॉरिडोर बनने से देशी पर्यटकों में 10 से 20% वृद्धि की उम्मीद है।

उत्तर प्रदेश नहीं पूरे देश की जनता के लिए संदेश

इस प्रोजेक्ट को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तय समय में पूरा करा कर एक बड़ी सौगात प्रधानमंत्री के जरिए दिलवाई है। प्रधानमंत्री ने इस आस्था के केंद्र को देश के अन्य धार्मिक आध्यात्मिक केंद्रों से जोड़ते हुए देश भर में हिंदू आस्था के प्रतीकों का जीर्णोद्धार, सुन्दरीकरण व सांस्कृतिक विकास के अभियान की चर्चा की। उन्होंने महाराष्ट्र, तमिलनाडु, उत्तराखंड समेत कई राज्यों के आस्था प्रतीकों को आगे बढ़ाने के लिए किए जा रहे कार्यों को सामने रखा। संदेश साफ है हिंदुत्व व राष्ट्रवाद की लहर इसी तरह पूरे देश में आगे बढ़ेगी और मिशन 2022 के साथ ही 2024 भी इसी के जरिए साधा जा सकेगा।